Raj Vaibhav (Jaipur)

2 September, 2017

कृषि क्षेत्र में विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार पर कार्यशाला आयोजित

किसानों की आय 2022 तक दुगना करने का लक्ष्य-सुदर्शन भगत

जयपुर। केन्द्रीय कृषि एवं किसान राज्य मंत्री सुदर्शन भगत ने कहा है कि अनुसंधान एवं कृषि में नवाचार द्वारा किसानों की आय को दोगुना किया जा सकता है। आज जयपुर में डीएसटी द्वारा एसोचैम एवं एमएनआईटी के सहयोग से कृषि क्षेत्र में विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करने हेतु प्रौद्योगिकी और पोस्टर प्रस्तुतिकरण के माध्यम से कृषि को बढ़ावा देने के लिए एक दिवसीय स्टेक होल्डर्स परामर्श कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर भगत ने यह विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री सुदर्शन भगत ने कहा कि किसान प्राचीन समय में भी कृषि के महत्वपूर्ण साधनों का प्रयोग करते थे और उसके बाद सिंचाई द्वारा कृषि की महत्वपूर्ण पद्धति को अपनाया जाने लगा। कृषि के क्षेत्र में ट्रैक्टर के प्रयोग के बाद कृषि में तेजी से बदलाव आने लगा। उन्होंने कहा कि हमारा देष कृषि प्रधान है और समय-समय पर कृषि के कार्य के लिए शोध किये जाते रहे हैं। भारत की अर्थव्यवस्था व समाज 60 प्रतिशत से अधिक कृषि पर निर्भर करती है। इसलिए देश के समावेशी विकास में कृषि का विकास होना अतिआवश्यक है। उन्होंने कहा कि देश के नीति निर्माण और कृषि वैज्ञानिकों के प्रयासों से खाद्य उत्पादों में वृद्धि हुई है। भगत ने कहा कि 2014 में देश में खाद्य उत्पादों में 5 गुना वृद्धि हुई है जिनमें मछली, दूध व अन्य शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इस सफलता का श्रेय भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान व अन्य संस्थानों को दिया जाना चाहिये। भारत में कृषि क्षेत्र में सुधार के लिए प्रधानमंत्री सिंचाई योजना चलाई जा रही है। जो कृषि के विकास के लिए महत्वपूर्ण है। कृषि की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री द्वारा सॉयल हैल्थ कार्ड की शुरुआत की गई है। इससे माध्यम से किसान अपने मृदा की जांच करवाकर वृद्धि कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि कृषि डिजिटल क्रांति का भी महत्व है। जिसमें एप विशेषज्ञों की राय आदि के माध्यम से सही तरीके व समय पर किसानों को जानकारी उपलब्ध करवाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि 2022 तक किसानों की आय दुगुनी करने का लक्ष्य रखा गया है। जिसमें कृषि से जुड़े 7 सूत्री कार्यक्रमों को निर्धारित किया गया है।

उन्होंने कहा कि इस तरह की आजादी के लिए संकल्प लिया गया था उसी प्रकार संकल्प से सिद्धी द्वारा आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर 2022 में किसानों की आय दुगनी किये जाने के प्रयास किये जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि किसानों को अपनी आय में वृद्धि के लिए पशुपालन, मधुमक्खी, कुक्कुटपालन व अन्य स्रोतों को भी शामिल करना चाहिये ताकि इन विभिन्न क्षेत्रों में तकनीकी क्षेत्रों के उपयोग के माध्यम से आय में वृद्धि की जा सकेगी। उन्होंने कहा कि देश में विभिन्न प्रकार की भौगोलिक परिस्थितियां इसलिए किसानों को नये प्रकार के शोध और नई तकनीक का प्रयोग करना चाहिये। जिससे कृषि की पैदावार को बढ़ाया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की सिंचाई योजना द्वारा जल को बेहतर प्रबंधन से गांव में पानी लोगों के पीने व खेती के लिए उपयोगी होगा।

उन्होंने कहा कि मंत्रालय किसानों की आय दुगनी करने के लिए कार्य कर रहा है और निश्चित समय में लक्ष्य पूर्ण करने के प्रयास किये जा रहे हैं।

ASSOCHAM IN THE NEWS

Dainik Navajyoti (Jaipur) **2 September, 2017**

नवाचार और नई तकनीक के उपयोग से बढ़ेगी किसान की आय : भगत

'संकल्प से सिद्धि' अभियान के तहत 2022 तक किसान की आय होगी दुगनी

ब्यूरो/ नवज्योति, जयपुर

केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री सुदर्शन भगत ने कहा है कि खेती में नवाचार और नई तकनीक का उपयोग करने से खेती के उत्पादन में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने वर्ष 2022 तक किसानों की आमदनी को दुगनी करने की घोषणा की है, इसके लिए कृषि में सात प्रकार के नए प्रयोग शुरू किए गए हैं। भगत शुक्रवार को डीएसटी की ओर से एसौचेम और एमएनआईटी की ओर से कृषि क्षेत्र में विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार पर एक दिवसीय कार्यशाला को एमएनआईटी में मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने वर्ष 2017 को देश के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि गांधी ने भी वर्ष 1942 में भारत छोड़ो आन्दोलन का संकल्प लिया था, जिस संकल्प की सिद्धि 1947 में हुई। इसी तरह मोदी सरकार ने 2017 में किसानों की आमदनी को दुगनी करने का संकल्प लिया है, उस संकल्प की सिद्धि 2022 में होगी, जब किसानों की आमदनी दुगनी हो जाएगी। उन्होंने कहा कि डिजीटल क्रांति का कृषि विकास में काफी योगदान रहा है तथा आज फसल को नुकसान से बचाने के लिए कीट प्रबंधन, कीटनाशकों का सही इस्तेमाल करने की सीख दी जा रही है। उन्होंने कहा कि किसानों को अपनी आय बढ़ाने के लिए बहुधंधी होना पड़ेगा। साथ ही लाभकारी फसलें बोनी होगी। फूलों की खेती के साथ फलों के बाग लगाने पड़ेंगे। भगत ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए सरकार ने खाद्य प्रसंस्करण, कोल्ड स्टोरेज चेन, कम ब्याज पर ऋण, फसल की बीमारियों पर नियंत्रण आदि के उपाय किए जा रहे है। इससे किसानों की आय बढ़ेगी।

एमएनआईटी में सेमीनार का शुभारम्भ करते केन्द्रीय मंत्री।

Dainik Khabro ki Duniya (Jaipur) **2 September, 2017**

किसानों की आय वर्ष 2022 तक दोगुना करने का लक्ष्य : सुदर्शन भगत

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। केन्द्रीय कृषि एवं किसान राज्य मंत्री सुदर्शन भगत ने कहा है कि अनुसंधान और कृषि में नवाचार के जरिए किसानों की आय को दोगुना किया जा सकता है। जयपुर में डीएसटी द्वारा एसोचैम एवं एमएनआईटी के सहयोग से कृषि क्षेत्र में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों पर आधारित एक दिवसीय स्टेकहोल्डर्स परामर्श कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर भगत ने यह विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री सुदर्शन भगत ने कहा कि किसान प्राचीन समय में भी कृषि के महत्वपूर्ण साधनों का प्रयोग करते थे और उसके बाद सिंचाई द्वारा कृषि की महत्वपूर्ण पद्धति को अपनाया जाने लगा। कृषि के क्षेत्र में ट्रैक्टर के प्रयोग के बाद कृषि में तेजी से बदलाव आने लगा। उन्होंने कहा कि हमारा देश कृषि प्रधान है और समय-समय पर कृषि के कार्य के लिए शोध किये जाते रहे हैं। भारत की अर्थव्यवस्था व समाज 60 प्रतिशत से अधिक कृषि पर निर्भर करती है । उन्होंने कहा कि देश के नीति निर्माण और कृषि वैज्ञानिकों के प्रयासों से खाद्य उत्पादों में वृद्धि हुई है।

भगत ने कहा कि 2014 में देश में खाद्य उत्पादों में 5 गुना वृद्धि हुई है जिनमें मछली, दूध व अन्य शामिल हैं।

Punjab Kesari (Jaipur) **2 September, 2017**

कृषि में नवाचार से बढ़ेगी किसानों की आय

कृषि क्षेत्र में विज्ञान,प्रौद्योगिकी एवं नवाचार पर कार्यशाला आयोजित

दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत करते अतिथि।

जयपुर,(कासं): कृ ि एवं किसान कल ण राज्य मं । सुदर्शन भगत ने कहा है कि अनुसंधान एवं कृषि में नवाचार नए रोजगार का सृजन के साथ-साथ किसानों की आय को दोगुना कर सकता है। कृषि भारत की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। देश में 58 प्रतिशत से अधिक ग्रामीण परिवार आजिविका के मुख्य साधन के रूप में कृषि पर निर्भर है। कृषि,मत्स्य पालन एवं वानिकी के साथ सकल घरेलु उत्पाद (जीडीपी) के लिए सबसे बड़े योगदानकर्ताओं में से एक है। सेंट्रल स्टेटिस्टिक्स ऑफि स (सीएसओ) द्वितीय एडवाइज्ड एस्टीमेंट के अनुसार वर्ष 2016-17 में 2011-12 प्राइसेज पर,कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों का हिस्सा (कृषि, पशुधन,वन और मत्स्य पालन सहित) सकल मूल्य वर्धित (जीवीए) की 17.3 प्रतिशत होने की संभावना है। भगत शुक्रवार को एमएनआईटी में डीएसटी द्वारा एसोचैम एवं एमएनआईटी के सहयोग से कृषि क्षेत्र में विज्ञान,प्रौद्योगिकी एवं नवाचार अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों पर आयोजित कार्यशालाा को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में आने वाले कुछ वर्षों में सिंचाई सुविधाओं, भंडारण एवं कोल्ड स्टोरेज जैसी कृषि की आधारभूत संरचनाओं में वृद्धि की वजह से बेहतर गति पैदा होने की संभावना है। कम लेन-देन लागत और समय,बेहतर पोर्ट गेट प्रबंधन और बेहतर राजकोषीय प्रोत्साहन जैसे कारक क्षेत्र के विकास में योगदान करेंगे। इसके अतिरिक्त,आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलों के बढ़ते प्रयोग से भारतीय किसानों की उपज में सुधार होगा। प्रधान सचिव,विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग संदीप वर्मा ने अपने संबोधन में कहा था कि कृषि राजस्थान के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

Rashtradhoot (Jaipur) 2 September, 2017

किसानों की आय 2022 तक दोगुना करने का लक्ष्य : सुदर्शन भगत

- एमएनआईटी में कृषि नवाचार पर कार्यशाला आयोजित
- भगत ने कृषि विज्ञान केंद्र चौमूं का भी किया दौरा

जयपुर, (का.सं.)। केन्द्रीय कृषि एवं किसान राज्य मंत्री सुदर्शन भगत ने कहा है कि अनुसंधान एवं कृषि में नवाचार द्वारा किसानों की आय को दोगुना किया जा सकता है। आज जयपुर में डीएसटी द्वारा एसोचैम एवं एमएनआईटी के सहयोग से कृषि क्षेत्र में विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करने हेतु प्रौद्योगिकी और पोस्टर प्रस्तुतिकरण के माध्यम से कृषि में आर एंड डी को बढ़ावा देने के लिए एक दिवसीय स्टेकहोल्डर्स परामर्श कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर भगत ने यह विचार व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि 2022 तक किसानों की आय दुगुनी करने का लक्ष्य रखा गया है। जिसमें कृषि से जुड़े 7 सूत्री कार्यक्रमों को निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि इस तरह की आजादी के लिए संकल्प लिया गया था उसी प्रकार संकल्प से सिद्धी द्वारा आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर 2022 में किसानों की आय दुगनी किये जाने के प्रयास किये जा रहे हैं। संदीप वर्मा, आईएएस, प्रधान सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने कहा कि कृषि राजस्थान के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। समृद्धि कृषि ने राज्य के सकल घरेलु उत्पाद को बढ़ाने के लिए न केवल योगदान दिया है बल्कि इसके परिणाम स्वरूप राज्य की आबादी के लिए रोजगार के अवसरों में भी वृद्धि की है।

प्रोफेसर एन.एस. व्यास, प्रोफेसर, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी कानपुर एवं अध्यक्ष, भारतीय रेल प्रौद्योगिकी मिशन (टीएमआईआर), रेल मंत्रालय ने अपने संबोधन में कहा कि नई प्रौद्योगिकियों को उपज की सीमाओं को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक है कि अधिक कुशलता से उत्पादों का उपयोग करें और अधिक टिकाऊ और मूल्य वाली फसलों हेतु बदलाव लाये। ये सभी गहन ज्ञान तकनीक है, जिसे एक मजबूत अनुसंधान और विस्तार प्रणाली और कुशल किसानों की आवश्कता होती है, लेकिन यह भी एक मजबूत इंटरफेस होता है जहां सभी पर लाभ लाने के लिए जानकारी के पारस्परिक आदान-प्रदान पर जोर दिया जाता है। डॉ. नीरज शर्मा, प्रमुख, पॉलिसी रिसर्च सेल, डीएसटी ने अपने संबोधन में कहा कि बढ़ती आबादी को खिलाने के लिए, जैव प्रौद्योगिकी और नैनो टेक्नोलॉजी सहित नई प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके कृषि उत्पादकता को बढ़ाया जाना है।

प्रो.अवधेश भारद्वाज, प्रोफेसर मैकेनिकल इंजीनियरिंग एवं समन्वयक एमएनआईटी इनोवेशन एवं इन्क्यूबेशन सेंटर ने धन्यवाद प्रस्तुत करते हुए कहा कृषि उत्पादन में तेजी लाने हेतु जैव प्रौद्योगिकी, नैनो प्रौद्योगिकी, उच्च तकनीक संरक्षित खेती और आधुनिक सिंचाई जैसी पद्धतियों का उपयोग बढ़ाने की आवश्यकता है।

वहीं केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री सुदर्शन भगत ने आज कृषि विज्ञान केंद्र चौमूं का दौरा किया साथ ही किसानों से बातचीत की। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में किसानों से रूबरू होते हुए सुदर्शन भगत ने कहा कि केंद्र द्वारा कृषि के विकास के लिए प्रभावी कार्य और प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। केंद्र सरकार किसानों के विकास के लिए कृतसंकल्प है और सरकार की महत्वपूर्ण योजनाएं भी किसानों की तरक्की के लिए चलाई जा रही है जिससे कृषि क्षेत्र में अधिक विकास हो सके।

इस अवसर पर भगत ने कहा कि मंत्रालय द्वारा भी किसानों को आगे बढ़ाने और विकास पर बल दिया जा रहा है। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र चौमूं के अधिकारी, कर्मचारी गण व स्थानीय किसान मौजूद रहे। किसानों ने अपने अनुभव भी इस अवसर पर साझा किए।